Tc.No.: GUJHIN00722

दैनिक

क्रांति समय

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480

E-mail: krantisamay@gmail.com

सूरत, वर्ष: 1 अंक: 47, सोमवार, 12 मार्च 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.

ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात

सार समाचार

केजरीवाल की भूख हड़ताल राजनीतिक ड्रामा : खंडेलवाल

13 मार्च को दिल्ली का व्यापार पूरी तरह बंद रहेगा : कैट

पूर्वी दिल्ली (**एजेंसी**)। व्यापारियों के संगठन कनफेडरेशन ऑफ आल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने सीलिंग से 31 मार्च तक राहत नहीं मिलने पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा भूख हड़ताल पर बैठने की घोषणा को राजनीतिक स्टंट बताते हुए कहा कि वह व्यापारियों की समस्याओं पर घड़ियाली आंसू बहा रहे हैं। कैट ने कहा कि मुख्यमंत्री की इस घोषणा से दिल्ली के व्यापारी कतई खुश नहीं है, क्योंकि जो वह कर सकते थे वह कर नहीं रहे हैं। वह समस्या का सामाधान करने के बजाए उसको राजनीतिक रंग देने की कोशिश कर रहे हैं। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि यदि अरविंद केजरीवाल वाकई सीलिंग के मुद्दे पर गंभीर हैं तो उन्हें भूख हड़ताल की बजाय विधानसभा के आगामी सत्र में सीलिंग पर रोक लगाने का बिल पारित कर केंद्र सरकार को मंजूरी के लिए भेजना चाहिए। विधानसभा में प्रस्ताव पारित करने से काम नहीं चलेगा क्योंकि प्रस्ताव की कोई संवैधानिक महत्व नहीं है। बिल पारित करना दिल्ली सरकार के अधिकार क्षेत्र में है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट में एक सीनियर वकील को भी तुरंत खड़ा करना चाहिए और कोर्ट ने जो हलफनामा देने का आदेश दिया है, वो भी कोर्ट में दिल्ली सरकार की ओर से दिया जाए। खंडेलवाल ने साफ तौर पर कहा कि कैट से जुड़े व्यापारी 13 मार्च को दिल्ली व्यापार पूरी तरह से बंद रखेंगे। उन्होंने दावा किया कि मंगलवार को पूरी दिल्ली बंद रहेगी।

व्यापारियों ने कनॉट प्लेस में बुलाई व्यापार संसद

नई दिल्ली (**एजेंसी**)। आम आदमी पार्टी से जुड़े व्यापारियों के संगठन सीटीआई ने रविवार (11 मार्च) को कनाट प्लेस में व्यापार संसद बुलाई है, जिसमें सीलिंग से परेशान व्यापारी शामिल होंगे। इस व्यापार संसद में शामिल होने के लिए सीटीआई ने पांच सौ से अधिक ट्रेड एसोसिएशन व व्यापारिक संगठनों को न्यौता भेजा है। सीटीआई के कन्वीनर बृजेश गोयल ने कहा कि सीलिंग के खिलाफ कोई ठोस कदम उठाने को लेकर अब व्यापारियों से राजनीति छोड़ एकजुट होने पर जोर देते हुए रविवार को कनॉट प्लेस में व्यापार संसद बुलाई है। इस व्यापार संसद में दिल्ली बंद और आगे आंदोलन की रणनीति पर चर्चा होगी। उन्होंने कहा कि सीटीआई ने शुक्रवार को अपने तमाम प्रतिनिधियों के साथ विचार विमर्श करने के बाद यह निर्णय लिया कि अब अगर दिल्ली में व्यापारियों को अपना-अपना व्यापार बचाना है तो दलगत और व्यक्तिगत राजनीति से ऊपर उठने की आवश्यकता है। इसके अलावा अन्य व्यापारिक संगठन ''कैट' व ''भारतीय उद्योग व्यापार मंडल' से भी संपर्क करते हुए इस व्यापार संसद में शामिल होने के लिए निमंतग्रदिया है। उन्होंने कहा कि हम सभी व्यापारियों को इस बात पर गौर करना चाहिए कि व्यापार है तो व्यापारी है। सीलिंग की वजह से दिल्ली के व्यापारियों का व्यापार खतरे में आया हुआ है। इसलिए फिलहाल दलगत व व्यक्तिगत राजनीति का समय नहीं है। अभी हमारा बस एक ही उद्देश्य है, वह है सीलिंग को रोकना।

सीएम ने मोदी और राहुल गांधी को लिखा पत्र

नई दिल्ली (**एजेंसी**)। राजधानी में जारी सीलिंग को लेकर व्यापारियों के भारी विरोध के बीच मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी को पत्र लिखकर इसके समाधान के लिए कदम उठाने का अनुरोध किया है। लाजपत नगर क्षेत्र में गुरुवार को बड़े पैमाने पर सीलिंग के दौरान व्यापारियों ने काम बंद करके धरना-प्रदर्शन शुरू किया।कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी को भी लिखे पत्र में उन्होंने कहा कि दुकानों की सीलिंग से लाखों लोगों की रोजी रोटी पर संकट उत्पन्न हो गया है। उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष से सीलिंग का मुद्दा संसद में जोर-शोर से उठाने का आग्रह करते हुए केन्द्र सरकार को इस समस्या के समाधान के लिए विधेयक पारित करने को बाध्य करने की बात कही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस मुद्दे पर राजनीति से ऊपर उठकर समाधान निकालने की जरूरत है। संसद में आम आदमी पार्टी व कांग्रेस संयुक्त रूप से राजनीतिक हल के लिए काम करने का उन्होंने अनुरोध किया है। पत्र में कहा गया कि दिल्ली में आजकल व्यापारियों की दुकानें सील की जा रही हैं।

जयाप्रदा के लिए हमारे पास कोई जवाब नहीं: आजम

रामपुर। आजम खां ने पूर्व सांसद जयाप्रदा के बयान का सीधा जवाब नहीं दिया। आजम खां ने कहा कि हमारे पास जौहर यूनिवर्सिटी और मेडिकल कालेज के सिवा कोई जवाब नहीं है। जयाप्रदा ने आजम खां को फिल्म पदमावत का खिलजी बताया था।

अभिनेत्री जयाप्रदा रामपुर से दो बार लगातार सांसद रही हैं। जयाप्रदा पहली बार 2004 में सपा के टिकट पर सांसद बनी थीं। तब उन्हें आजम खां ही रामपुर लेकर आए थे, लेकिन बाद में रिश्तों में दरार आ गई थी। दूसरा चुनाव जयाप्रदा ने सपा से ही बिना आजम खां की सपोर्ट के लड़ा था और जीत गई थीं। तब से आजम की जयाप्रदा और अमर सिंह से नाराजगी जग जाहिर है, लेकिन कई साल से दोनों ओर से चुप्पी साधी हुई थी। शनिवार को एक बार फिर जयाप्रदा ने आजम खां के साथ रिश्तों को कुरेदा है। जयाप्रदा ने आजम खां को फिल्म पदमावत का खिलजी बताया। यह भी कहा कि रामपुर में आजम खां ने उन्हें परेशान किया, लेकिन कई साल बाद सुर्खियों में आए जयाप्रदा के बयान पर आजम खां ने तीखा पलटवार नहीं किया। आजम खां ने जयाप्रदा के गंभीर आरोप का भी घुमा-फिराकर जवाब दिया।

आजम खां ने मीडिया से कहा कि जयाप्रदा जो कह रही हैं, उन्हें कहने दो। हमारे पास स्कूल हैं, जौहर यूनिवर्सिटी है और मेडिकल कालेज है। जयाप्रदा के सवाल का कोई जवाब नहीं है। यह जवाब आजम खां ने अपने अंदाज से हटकर दिया है, जबकि वह तल्ख अंदाज के लिए जाने जाते हैं।

जयाप्रदा से विवाद में निकाले गए थे आजम

अभिनेत्री जयाप्रदा ने पहला चुनाव पूर्व कैबिनेट मंत्री आजम खां के सहयोग से लड़ा था। आजम खां ही जयाप्रदा को रामपुर लेकर आए थे, लेकिन चुनाव जीतने के बाद दोनो में दूरी बढ़ने लगी थीं। दूसरा चुनाव आने तक आजम खां ने जयाप्रदा के खिलाफ मोर्चा खोल दिया था और सपा से टिकट दिए जाने का विरोध किया था, लेकिन सपा ने जयाप्रदा को ही प्रत्याशी बनाया था। इसी विवाद में चुनाव के दौरान सपा ने आजम खां को पार्टी से निकाल दिया था, लेकिन 11 माह बाद ही आजम खां की सपा में धमक के साथ वापसी हुई थी और बाद में जयाप्रदा और अमर सिंह दोनों को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया था।

जयाप्रदा के बयान ने बढ़ाई रामपुर की सियासी सरगर्मियां

रामपुर। यूपी के सिने तारिका एवं रामपुर से सांसद रह चुकीं जयाप्रदा के एक बयान ने जिले की राजनीति गर्मा दी है। उनके इस बयान से जहां रामपुर से एक बार फिर उनके चुनाव लड़ने के कयास लगाए जा रहे हैं वहीं, आजम समर्थकों में रोष है। फिल्म अभिनेत्री जयाप्रदा ने सपा के फायरब्रांड नेता एवं पूर्व मंत्री मोहम्मद आजम खां की तुलना पद्मावत फिल्म के खिलजी से करते हुए एक बयान दिया है। बताया जाता है कि छत्तीसगढ़ के रायपुर में महिला दिवस पर कार्यक्रम के दौरान जयाप्रदा ने आजम की तुलना खिलजी से की जिसके बाद यह बयान दिया। मीडिया से लेकर सोशल मीडिया तक जब यह यह बयान सार्वजनिक हुआ तो रामपुर में आजम खां के समर्थकों ने भी इसका संज्ञान लिया। उन्होंने इस पर रोष जताया है। वहीं, आजम खां ने इस बारे में कुछ भी बोलने से इंकार किया है। उधर, सांसद जयाप्रदा के प्रतिनिधि मुस्तफा हुसैन का कहना है कि अभी यह तय नहीं कि जयाप्रदा कहां से चुनाव लड़ेंगी लेकिन, रामपुर की जनता चाहेगी तो वह यहां से लोकसभा चुनाव लड़ सकती हैं। काबिलेगौर है कि जयाप्रदा दो बार रामपुर की सांसद रहीं। आजम खां ने 2009 के चुनाव में उन पर तरह-तरह के आरोप लगाए थे। इस दौरान अश्लील फोटो पर उनके चेहरे को लगाकर भी कुछ लोगों ने पोस्टर चस्पा किए थे, जिसमें जयाप्रदा और उनके समर्थकों ने आरोप लगाया था कि यह सब आजम खां के इशारे पर हो रहा है। इतना ही नहीं, तत्कालीन एआरटीओ कौशलेंद्र प्रताप यादव ने जयाप्रदा की गाड़ी से फ्लैशर वाली लालबत्ती उतराई थी, जो प्रकरण संसद भवन तक गूंजा था। इसमें भी आरोप था कि आजम खां के इशारे पर एआरटीओ ने उनकी गाड़ी से बत्ती उतरवाई है। इसकी बकायदा संसदीय समिति में शिकायत भी की गई थी।

गाजीपुर स्थित मेट्रो पिलर्स पर बनाई जा रही हैं पेंटिंग

एनएच-24 के मेट्रो पिलर्स पर पेंटिंग के माध्यम से दी जाएगी सड़क सुरक्षा की जानकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मेट्रो पिलर्स का इस्तेमाल लोग अपने पते के रूम में कर रहे हैं, लेकिन एनएच-24 पर बने मेट्रो पिलर्स का इस्तेमाल दिल्ली-मेरठ हाइवे से होकर गुजरने वाले यात्रियों का स्वागत और सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए किया जाएगा। इसके लिए एनएच-24 (गाजीपुर के पास) पर स्थित मेट्रो के छह पिलर्स पर छह कलाकारों द्वारा स्वागत पेंटिंग बनाई जा रही है।

पिलर्स पर पेंटिंग बनाने का काम ''शुन्या हाउस' के कलाकार कर रहे हैं। शुन्या हाउस की पार्टनर रितिका जिजोडिया ने बताया कि यह लोग राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की ओर से मिले प्रोजेक्ट के तहत मेट्रो पिलर्स पर पेंटिंग बना रहे हैं। उन्होंने बताया कि कुल छह पिलर्स पर पेंटिंग बनानी है, जिसमें तीन पिलर्स पर वेलकम थीम और शेष तीन पर सड़क सुरक्षा के प्रति यात्रियों को जागरूक करने के लिए स्लोगन और पेंटिंग बनाई जानी है।

उन्होंने बताया कि यह पेंटिंग वरिष्ठ पेंटर अंशुल गुप्ता की देखरेख में बनाई जा रही है। थीम भले ही आसान है, लेकिन इसके लिए जो ड्राइंग दी गई है, वह बहुत ही मुश्किल और क्रिएटिव है इसलिए इसे बनाने में बहुत मेहनत लग रही है। हमारी कोशिश है कि इस सड़क से होकर जो यात्री गुजरेंगे, उन्हें ''गुड फील' हो।

पीजे कुरियन, कृष्ण पाल गुर्जर और अधीर रंजन चौधरी ने महिला आयोग को समर्थन में लिखा पत्र

''रेप रोको' आन्दोलन को कई पार्टियों का समर्थन : स्वाति

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली महिला आयोग (डीसीडब्ल्यू) द्वारा बलात्कारियों को छह महीने के भीतर फांसी की सजा दिलाए जाने के लिए चलाए जा रहे ''रेप रोको आंदोलन' को कई पार्टियों के सांसदों ने अपना समर्थन दिया है। सांसदों ने आयोग की अध्यक्ष को लिख कर अपना समर्थन दिए जाने की बात कही है। आयोग की अध्यक्ष स्वाति जयहिंद ने बताया कि राज्यसभा के उपसभापति पीजे कुरियन, सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री भारत सरकार कृष्ण पाल गुर्जर और पश्चिम बंगाल से लोकसभा सांसद अधीर रंजन चौधरी ने उन्हें पत्र लिख कर ''रेप रोको आन्दोलन' को समर्थन दिया है। स्वाति जयहिंद ने बताया कि पत्र में गुर्जर ने कहा कि वह इस संवेदनशील मुद्दे को संसद में और भारत के प्रधानमंत्री के समक्ष उठाएंगे।राज्यसभा के उपसभापति पीजे कुरियन ने इस आन्दोलन को समर्थन देते हुए पत्र लिखा कि वह ''रेप रोको आन्दोलन' की मांगों के साथ पूरी तरह से सहमत हैं। लोकसभा सांसद और पश्चिम बंगाल कांग्रेस अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी ने भी इस मामले को संसद में उठाने की बात कही है। स्वाति जयहिंद ने कहा कि मैं माननीय सांसदों को इस आन्दोलन को समर्थन देने के लिए धन्यवाद देती हूं। अब बदलाव का समय आ गया है। उन्होंने कहा कि इस बदलाव को लाने के लिए हम सबको साथ आना होगा।

सीलिंग को लेकर राजधानी में उबाल

सीलिंग के मुद्दे पर कपिल का केजरीवाल कर हमला 1977 में ही इस आरोप को नकार चुका है नगर निगम

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी में चल रही सीलिंग को लेकर आम आदमी पार्टी के बागी विधायक कपिल मिश्रा ने मुख्यमंत्री अरविन्द केजरवाल पर हमला बोलते हुए ट्वीट कर मशविरा दिया कि दिल्ली सरकार तीन कदम उठाए, तो सीलिंग तत्काल रुक सकती है। ट्वीट कर उन्होंने मुख्यमंत्री पर तंज कसा कि वह अपनी लड़ाई के राम जेठमलानी जैसे वरिष्ठ एवं महंगे वकील को रख सकते हैं, तो सीलिंग के लिए सरकारी वकील से क्यों काम चला रहे हैं। विधायक मिश्रा ने ट्वीट कर केजरीवाल को मशविरा दिया कि सीलिंग रोकने के लिए दिल्ली सरकार उच्चतम न्यायालय जाए। दिल्ली कैबिनेट और विधानसभा में कानून बनाकर संसद को भेजे। इसके अलावा पार्टी के सांसद संसद में कभी भी प्राइवेट मेंबर बिल ला सकते हैं। उन्हें उम्मीद है कि इससे सीलिंग रुक जाएगी। ट्वीट में उन्होंने निशाना साधते हुए कहा कि दिल्ली सरकार के वकील ने अभी तक सीलिंग के मुद्दे पर उच्चतम न्यायालय में अपना पक्ष तक नहीं रखा है। जबकि सरकार को खुद याची बनना चाहिए।

रेल मंत्री ने परीक्षा में फेल होने पर घर से भागने वाली छात्रा को मोदी की किताब दी

नई दिल्ली। दिल्ली के एक कॉन्वेंट स्कूल के नौवीं कक्षा की छात्रा एनायस जोसमॉन(14) दरअसल शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पुस्तक ''एग्जाम वारियर्स' का चेहरा बन गयी है, जो परीक्षाओं के दबाव से निपटने के उपाय संबंधी विषयों पर आधारित है। गौरतलब है कि गणित की परीक्षा में फेल हो जाने के बाद घर से भाग गयी इस छात्रा को रेलवे ने बचाया था।

>> डॉक्टर और स्टॉफ पर गिरी गाज

झांसी मेडिकल कॉलेज में मरीज की कटी टांग का बना दिया तकिया,

लखनऊ (एजेंसी)। झांसी में स्कूल बस के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद मेडिकल कालेज पहुंचे घायल क्लीनर की टांग को काटकर डॉक्टरों ने तकिया बना दिया। टांग काटने के बाद उसके सिरहाने रख दी गई।

इसका वीडियो वायरल होने के बाद शासन ने घटना को गंभीरता से लिया और दो सीनियर डॉक्टरों व नर्सों समेत चार चिकित्सा अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है। साथ ही मामले में जांच कमेटी गठित कर कार्रवाई शुरू की गई है। शनिवार को इटायल से मऊरानीपुर जा रही स्कूली बस शनिवार ट्रैक्टर को बचाने के चक्कर में पलट गई। बस जैसे ही बम्होरी व तिलेरा के बीच पहुंची, तभी सामने से आ रहे ट्रैक्टर को देख बस का चालक संतुलन खो बैठा। बस पटलने पर बच्चों में चीख पुकार मच गई। यह देख राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी और गांव वालों की मदद से बस में फंसे आधा दर्जन बच्चों को बाहर निकाला गया। हादसे में 11वीं की छात्रा मालती (17) निवासी लरोनी, भागवत राजपूत (18) निवासी इटायल और बस का क्लीनर घनश्याम निवासी इटायल गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी को पास के सीएचसी में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टरों ने क्लीनर घनश्याम की हालत बिगड़ते देख उसे महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज झांसी रेफर कर दिया।

मेडिकल कॉलेज में घायल की बेकदरी की गई। वहां डॉक्टर ने जख्मी पैर को ऑपरेशन कर काट दिया। इसके बाद डॉक्टरों ने तकिया की जगह मरीज के सिरहाने पर उसी का कटा हुआ पैर रख दिया। यह देख मरीजों के साथ उनके तीमारदार भी हैरत में पड़ गए। सोशल मीडिया में यह फोटो वायरल होते ही मेडिकल कॉलेज में हड़कंप मच गया। मेडिकल कॉलेज के सीएमएस डॉ. हरीश चन्द्र आर्य ने आनन-फानन जांच के आदेश दिए हैं।

दो वरिष्ठ डाक्टर व नर्सें निलंबित

झांसी मेडिकल कालेज में हुई इस घटना को गंभीरता से लेते हुए प्रदेश के चिकित्सा शिक्षा मंत्री आशुतोष टंडन के निर्देश पर शासन ने कड़ी कार्रवाई की है। आशुतोष टंडन के निर्देश पर दो वरिष्ठ डाक्टरों सीनियर आर्थोपैडिक सर्जन आलोक अग्रवाल व इमरजेंसी मेडिकल आफिसर डा. महेंद्र पाल सिंह और दो स्टाफ नर्सों दीपा नारंग व शशि श्रीवास्तव को सस्पेंड कर दिया गया है। साथ ही परामर्शदाता डा. प्रवीण सरावगी को चार्जशीट देकर खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू की गई है।

कमेटी करेगी जांच

आशुतोष टंडन ने बताया कि जानकारी मिलने पर झांसी मेडिकल कालेज की प्रिंसिपल साधना कौशिक से घटना के तथ्य हासिल किए गए। शासन ने इसे गंभीरता से लिया है और डाक्टरों को निलंबित कर जांच समिति गठित कर दी गई है। साथ ही सभी प्रथम दृष्टया दोषी पाए गए डाक्टरों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई भी शुरू की गई है।

कार्रवाई की जाएगी

मेडीकल कॉलेज के सीएमएस डॉ. हरीश चन्द्र आर्य ने माना कि तकिया की जगह पर मरीज का कटा पैर सिरहाने पर लगाना गलत हैं। उन्होंने लापरवाही बरतने पर जांच कर सम्बंधित डॉक्टर के खिलाफ कार्रवाई की बात कही है।

जांच के आदेश दिए गए

मेडिकल कॉलेज की प्राचार्य डॉ. साधना कौशिक ने बताया कि यह मामले अभी प्रकाश में आया है। वह स्वयं मेडीकल कालेज पहुंचकर पूरे मामले की जानकारी करेंगे। लापरवाही पर सम्बंधित डॉक्टर व स्टॉफ के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

शिक्षा सबसे अच्छी मित्र है। एक शिक्षित व्यक्ति हर जगह सम्मान पता है, शिक्षा सौंदर्य और यौवन को परास्त कर देती है। चाणक्य

''लव जेहाद'

चुनाव प्रचार के दौरान हंसी-मजाक चलता है, लेकिन इस मनोविनोद से बोलने वाले के पूर्वाग्रहों का रहस्य भी उजागर होता है। उत्तर प्रदेश के नागरिक उड्डयन मंत्री नंदगोपाल नंदी ने रामायण का अपना समकालीन भाष्य पेश कर साबित कर दिया है कि कुछ लोग अभी भी उसी पुराने जातिवादी, स्त्री-विरोधी वातावरण में जीते हैं। नंदी ने एक चुनाव सभा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को आज का राम, आदित्यनाथ को हनुमान, पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह को रावण, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को मारीच, पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव को मेघनाद और दलित नेता व पूर्व मुख्यमंत्री मायावती को शूर्पणखा बताते हुए अपनी रामकथा बांची। सत्ता में आने के बाद राम ने पत्नी का त्याग कर दिया था, और मोदी ने विवाह के कुछ समय बाद ही पत्नी को छोड़ दिया था। राम के पास हनुमान थे, जिन्होंने अपनी तमाम निजी इच्छाओं-कामनाओं से मुक्ति पा ली थी, लेकिन आधुनिक राम मोदी का हनुमान आदित्यनाथ ऐसे व्यक्ति हैं, मुलायम सिंह को भाजपाई दिमाग कभी माफ नहीं कर सकता क्योंकि एक तो वे आरक्षणवादी हैं, और दूसरे, उन्होंने बाबरी मस्जिद को बचाने के लिए कार सेवकों पर गाली चलवाने से भी संकोच नहीं किया था। मुलायम का शासन जैसा भी रहा हो, पर इस ऐतिहासिक मौके पर उन्होंने जितना बड़ा राजनैतिक साहस दिखाया था, उसका भारत की राजनीति में कोई सानी नहीं है। भारत की जाति राजनीति में जयललिता और ममता बनर्जी को इसके लिए सहन किया जा सकता है, क्योंकि जयललिता भी ब्राह्मण थीं और ममता भी ब्राह्मण हैं। राम ने हंसते हुए कहा, जा, अगले जन्म में भी तेरा विवाह नहीं होगा। असल में, सारा मामला जाति के जहर का है, जिसे भाजपा के राज में प्रोत्साहन मिला है। गैर-कांग्रेसवादी राजनीति ने इस सांप को छेड़ा जरूर पर वह इसे कुचल नहीं पाई। वही सवर्ण चित्त कांग्रेस और गैर-कांगेसवाद, दोनों की राजनैतिक विफलताओं के बाद भाजपा के अहंकारी नेताओं के मुंह से फुंफकार रहा है। इसलिए वैकल्पिक राजनीति की अगली लड़ाई सामाजिक विषमता और छुआछूत के विरुद्ध होनी चाहिए, जो नहीं हो पाया तो कई हजार साल से सत्ता और समृद्धि पर मोनोपॉली जमाए समूह दूसरी नई-नई बुराइयों के साथ भारत को पूरी तरह से तबाह कर देंगे भारत, जो अब भी एक संभावना है।

फेक न्यूज़ की छलना

पूर्वोत्तर खासकर त्रिपुरा के चुनाव में लाल दुर्ग के ढहने और कांग्रेस का सफाया हो जाने के बाद बीजेपी विरोधियों में एक होने की ''अंतिम कोशिश' तेज हो गई है। तीसरे मोर्चे की कवायद, सोनिया गांधी की ओर से 13 मार्च को होने जा रही ''डिनर पॉलिटिक्स' और यूपी उपचुनाव में एसपी-बीएसपी का गठजोड़ वास्तव में पूर्वोत्तर चुनाव के बाद की प्रतिक्रियाएं हैं। आंध्र प्रदेश को विशेष दरजे की मांग पर चंद्रबाबू नायडू का पैंतरा भी राजनीतिक रोटी सेंकने जैसा ही है ''फेक न्यूज' का एक इतिहास भी है। मीडिया को ''पूरी तरह अविश्वसनीय' बनाने के लिए इस शब्द का सबसे ज्यादा उपयोग अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने किया। इसके बाद अमेरिकी मीडिया में यह इतना पॉपूलर हुआ कि 2017 का सबसे ''पॉपूलर शब्द' बन गया। ''मैसाच्यूसेट इंस्टीट्यूट ऑफ टेकनॉलॉजी' (एमआईटी) के कुछ विशेषज्ञों ने एक रिसर्च से बताया है कि सोशल मीडिया में ''फेक न्यूज' सच्ची न्यूज से अधिक तेजी से और दूर-दूर तक प्रसारित होती है। कल तक ''पेड न्यूज' का हल्ला था, क्या सच है और क्या झूठ, समझ में नहीं आता। सच-झूठ की ''बाउंड्रीज' दरक गई हैं। इसीलिए मीडिया की विश्वसनीयता सर्वाधिक संकट में है। रिसर्च कहती है कि सोशल मीडिया में ''फेक न्यूज' ज्यादा होती हैं। रिसर्च ''गति' की चिंता करती है, उसके ''असर' की नहीं। हमें ''फेक न्यूज' के असर की चिंता करनी चाहिए क्योंकि वही निर्णायक है। सच- झूठ सिर्फ तर्क से तय नहीं होते। उनके फर्क को तय करने का पैमाना सिर्फ व्याकरणिक आयाम नहीं रखता, सांस्कृतिक आयाम भी रखता है। हर कल्चर अपने तरीके से अपने ''झूठ-सच' रचती है। इसी मानी में ''फेक न्यूज' की अपनी महिमा है। वह ''रचनात्मक' यानी ''क्रिएटिव' होती है। ''माइंड गेम' होती है। पहेली की तरह होती है। कहानी कविता की तरह होती है, और ''आनंदकारी छलना' होती है। ''फेक' का मतलब है ''छलना'। फेक न्यूज का अर्थ है ''छलिया खबर'। ''तेज गति वाला छल' तो और अधिक खतरनाक होता है। हम बहुत प्रकार के ''छलों' में रहते हैं। सोशल मीडिया तो सोशल मीडिया मुख्यधारा के मीडिया तक में ''छलिया खबर' का मजा आता है। ''फेक' हमारे यहां इतना प्यारा है कि कई लोग अपने जीवन को ही ''फेक' बना लेते हैं।

खबर ''प्लांट' करने का काम पहले सीआईए किया करती थी। अब उसी काम को सोशल मीडिया करता है। असली घी से हार्टअटैक होता है, खाने के लिए वनस्पति तेलों इस्तेमाल करना चाहिए। पिछले बीस साल से अपने यहां बरसात का सीजन लगते ही कभी चिकनगुनिया, कभी बर्डफ्लू, कभी स्वाइन फ्लू बेचा जाता रहा। हमारा मानना है कि ''फेक न्यूज' एक पूरा बिजनेस है। सिर्फ ''षड्यंत्र' नहीं। इन दिनों हमारे खबर चैनलों में दिन में कई बार ''इंपैक्ट फीचर' आने लगे हैं। ये ''पेड फीचर' होते हैं, लेकिन उनके आगे ''पेड फीचर' नहीं लिखा जाता। जो ''पेड' है, तो उसे ''पेड' ही लिखा होना चाहिए ना!

पेड न लिखकर इंपेक्ट लिखना अपने आप में ''फेक टाइटिल है, लेकिन चैनल इसे इंपैक्ट फीचर ही लिखे करते हैं। आप क्या कर सकते हैं? ''फेक' माने ''छल'। ''फेक न्यूज' माने ''छलिया खबर'। छलना ''हाइपररीयल' होती है। सोशल मीडिया एक छलनामय संसार ही रचता है। हर छलिया खबर हमें भी छलिया बनाती है। ''फेक न्यूज' का उद्देश्य सच को झूठ बनाने का नहीं, बल्कि ''छल' को सच में बदलने का है। अगर इस छल से सावधान न रहा गया तो एक दिन हमारा जीवन ही छलना बन जाएगा!

सत्संग

विचार सच्ची शक्ति है, इन्हें एकाग्र करें

मन की एकाग्रता का दूसरा अर्थ है विचारों की एकाग्रता। विचार व्यर्थ की चीज नहीं हैं। बहुत से लोग इस बात की चिंता नहीं करते कि उनके मन-मस्तिष्क में किस प्रकार के विचार आते-जाते रहते हैं। गंदे और निरुपयोगी विचार आने पर भी वे उनमें तृण की तरह बहते रहते हैं। वे नहीं समझ पाते कि इससे उन्हें क्या और कितनी हानि होती है? विचार एक शक्ति है, अमोघ शक्ति। वे मनुष्य के सम्पूर्ण जीवन पर अपना स्थायी प्रभाव डालते हैं और अपने अनुरूप उसे हानि या लाभ की ओर ले जाया करते हैं। मन की एकाग्रता की उपलब्धि होते ही मनुष्य के अंदर सोई वे शक्तियां जाग उठेंगी, जिनके बल पर वह असंभव दिखने वाले कार्य भी संभव कर सकता है। बिखरे मन और विश्रृंखल शक्ति से संसार में कोई भी बड़ा काम नहीं किया जा सकता। अपनी शक्तियों का नियोजित उपयोग ही वह उपाय है, जिससे किसी भी कार्य की सिद्धि पाई जा सकती है।

''डिनर पॉलिटिक्स'

आंध्र प्रदेश को विशेष दरजे की मांग पर चंद्रबाबू नायडू का पैंतरा भी राजनीतिक रोटी सेंकने जैसा ही है उपेन्द्र राय में गठबंधन का केवल एक ही धर्म होता है-सत्ता धर्म। फिर चाहे इसे सांप-छछूंदर का मिलन कहा जाए या पित्र समान विचारों का संगम। साझा सिद्धांत कहा जाए या प्राकृतिक गठजोड़। लेकिन इसका अर्थ केवल एक ही होता है-राजनीतिक अवसरवाद। इसलिए मुस्लिम लीग की धुर विरोधी कांग्रेस ने कभी केरल में उससे गठबंधन कर लिया तो राष्ट्रवाद का दम भरने वाली बीजेपी ने पूर्वोत्तर में गंभीर आरोपों से घिरे दलों का दामन थाम लिया।संदर्भ 2019 के लोक सभा चुनाव का है, जिसके लिए सियासी जोड़-तोड़ का दौर शुरू हो चुका है।

सतीश पेडणोकर

पूर्वोत्तर खासकर त्रिपुरा के चुनाव में लाल दुर्ग के ढहने और कांग्रेस का सफाया हो जाने के बाद बीजेपी विरोधियों में एक होने की ''अंतिम कोशिश' तेज हो गई है। तीसरे मोर्चे की कवायद, सोनिया गांधी की ओर से 13 मार्च को होने जा रही ''डिनर पॉलिटिक्स' और यूपी उपचुनाव में एसपी-बीएसपी का गठजोड़ वास्तव में पूर्वोत्तर चुनाव के बाद की प्रतिक्रियाएं हैं। आंध्र प्रदेश को विशेष दरजे की मांग पर चंद्रबाबू नायडू का पैंतरा भी राजनीतिक रोटी सेंकने जैसा ही है उपेन्द्र राय में गठबंधन का केवल एक ही धर्म होता है-सत्ता धर्म। फिर चाहे इसे सांप-छछूंदर का मिलन कहा जाए या फिर समान विचारों का संगम। साझा सिद्धांत कहा जाए या प्राकृतिक गठजोड़। लेकिन इसका अर्थ केवल एक ही होता है-राजनीतिक अवसरवाद। इसलिए मुस्लिम लीग की धुर विरोधी कांग्रेस ने कभी केरल में उससे गठबंधन कर लिया तो राष्ट्रवाद का दम भरने वाली बीजेपी ने पूर्वोत्तर में गंभीर आरोपों से घिरे दलों का दामन थाम लिया।संदर्भ 2019 के लोक सभा चुनाव का है, जिसके लिए सियासी जोड़-तोड़ का दौर शुरू हो चुका है। इस मामले में एसपी-बीएसपी से बेहतर मिसाल शायद ही मिले। ढाई दशक तक एक दूसरे की आंखों में चुभने वाले ये दल अब एक दूसरे का मरहम बन गए हैं। कहने को यह दोस्ती इसी मार्च में हो रहे उत्तर प्रदेश के लोक सभा उपचुनाव तक सीमित है, लेकिन हकीकत में 2019 से पहले का प्रयोग है। वह प्रयोग जिसमें परखा जा सके कि क्या इन दोनों के जातीय समीकरण मिल कर मोदी लहर को रोक सकते हैं? दरअसल, मार्च, 2018 का महीना 2019 के लोक सभा चुनाव के लिहाज से बेहद अहम है। जोड़-तोड़ की गोटियां बिछने लगी हैं, और सत्ता के तराजू में गठबंधनों की तौल शुरू हो चुकी है। पूर्वोत्तर खासकर त्रिपुरा के चुनाव में लाल दुर्ग के ढहने और कांग्रेस का सफाया हो जाने के बाद बीजेपी विरोधियों में एक होने की ''अंतिम कोशिश' तेज हो गई है। तीसरे मोर्चे की कवायद, सोनिया गांधी की ओर से 13 मार्च को होने जा रही ''डिनर पॉलिटिक्स' और यूपी उपचुनाव में एसपी-बीएसपी का गठजोड़ वास्तव में पूर्वोत्तर चुनाव के बाद की प्रतिक्रियाएं हैं। आंध्र प्रदेश को विशेष दरजे की मांग पर चंद्रबाबू नायडू का पैंतरा भी राजनीतिक रोटी सेंकने जैसा ही है।सच तो यह है कि कई दलों के सामने अब अस्तित्व का संकट पैदा हो गया है। ऐसे में वे अब भी अवसरवाद से चूक गए तो बचे-खुचे अवसर भी हाथ से निकल जाएंगे। वैसे भी, गठबंधन के अवसरवाद पर सवाल उठाने की नैतिकता किसी दल में नहीं है। सब एक ही नाव के सवार हैं। जम्मू-कश्मीर से नगालैंड तक बीजेपी के गठबंधन पर अवसरवाद का ठप्पा लगा है। मेघालय और त्रिपुरा में धुर विरोधी विचारों वाले दलों के साथ उसका बेमेल गठबंधन है। बिहार में नीतीश कुमार के साथ मिलकर सरकार बनाने से बड़ा अवसरवाद और क्या हो सकता है? बहरहाल, सोनिया गांधी की डिनर पॉलिटिक्स ऐसे समय में होगी जब बिहार और यूपी में उपचुनाव हो चुके होंगे। सोनिया ने ममता बनर्जी, नायडू, नवीन पटनायक जैसे नेताओं को भी बुलाया है, जो कभी न कभी एनडीए के घटक रहे हैं। यह डिनर देश में बीजेपी का विकल्प खड़ा करने की संभावनाओं को तलाशने की दिशा में एक आयोजन है। इसकी सफलता-असफलता बेमतलब नहीं होगी। 2019 में मोदी की आंधी से जूझने वाले किसी दल के लिए यह आमंतण्रस्वीकार करना या किसी की तरफसे नजरअंदाज कर देना गैर राजनीतिक फैसला नहीं होगा। न सिर्फ सोनिया की ओर से निमंतण्र बांटे गए हैं, बल्कि अंदरखाने निमंतण्रलेने वालों की खोज भी जारी है क्योंकि ऐसी परिस्थिति कांग्रेस के लिए अधिक नुकसानदेह होगी जिसमें सोनिया के निमंतण्र को कोई ठुकरा दे। इसलिए कम से कम इस न्योते से दूर रहने वालों से भी अपेक्षा रहेगी कि अवहेलना का भाव न दिखाएं। पार्टी की दूसरी पंक्ति के नेताओं और रणनीतिकारों ने इस पर पूरी मेहनत की है।''तीसरा मोर्चा' के लिए जो पहल चंद्रशेखर राव और असदुद्दीन ओवैसी ने की है, वह निश्चित रूप से बीजेपी के बजाय कांग्रेस के खिलाफ है। बीजेपी के विरोधी बेपरवाह हैं कि वे कांग्रेस के साथ खड़े हैं, या किसी और के साथ। उनकी बड़ी चिंता यही है कि सबसे पहले कांग्रेस से दूर दिखें। ऐसे दल बीजेपी का कमल खिलाने में मदद करेंगे। लिहाजा, तीसरा मोर्चा बनने से बीजेपी खुश ही होगी। दरअसल, तीसरा मोर्चा का मतलब ही गैर-कांग्रेस, गैर-बीजेपी होता है। भारतीय राजनीति में जिस तरह से एकदलीय शासन बीजेपी के नेतृत्व में देशव्यापी हुआ है, उसके बाद राजनीतिक विकल्प खोजने वालों को कांग्रेस के रूप में दूसरा दुश्मन बनाने या बताने की कोई जरूरत ही नहीं दिखती। कांग्रेस तो खुद अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही है। हां, इस तरह से क्षेत्रीय दल जरूर सोच सकते हैं कि जो कांग्रेस खुद अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही है, उसके साथ जाकर उनका भविष्य कैसे ठीक रहेगा। जहां तक वामपंथी दलों का सवाल है, तो फिलहाल वे तीसरे मोर्चे की सोच के साथ चलते नहीं दिखते। राष्ट्रीय फलक पर क्षेत्रीय दलों की भूमिका कांग्रेस या बीजेपी की सहयोगी दल वाली ही रही है। हां, क्षेत्रीय स्तर पर ये दल इस आधार पर कांग्रेस या बीजेपी से दूर या नजदीक होते रहे हैं कि इससे उन्हें संबंधित राज्य में कितना फायदा या नुकसान होगा। ओडिशा में पटनायक लंबे समय तक एनडीए में बने रहे। लेकिन अब वहां संकट दूसरा है। बीस राज्यों में अपनी सरकार बना चुकी बीजेपी अब ओडिशा में ऊंची महत्वाकांक्षा रखने लगी है। इस नई परिस्थिति में पटनायक भी बीजेपी की नजर से देखें तो ''अवसरवाद' दिखा सकते हैं। मगर पटनायक जैसे नेता राजनीति की नब्ज भांपकर ही कदम उठाते हैं, यह भी सच है। जब उन्हें लगेगा कि राष्ट्रीय स्तर पर कोई मजबूत विकल्प दिख रहा है, तभी वो अपना कम्फर्ट जोन तोड़ने की सोचेंगे अन्यथा बेहतर स्थिति में तो अभी हैं ही। कई राज्य ऐसे हैं, जहां के क्षेत्रीय दल लोक सभा चुनाव में भी एक दूसरे के खिलाफ अच्छा परफॉर्म करने के लिए कांग्रेस और बीजेपी के साथ राष्ट्रीय स्तर पर खेमों में बंटते हैं। इसका मजबूत उदाहरण प. बंगाल है। यहां पहली बार ऐसा लग रहा है कि ममता बनर्जी और वाम दल, दोनों कांग्रेस के साथ आ सकते हैं, लेकिन इसके लिए भी दोनों पार्टियों में अंदरूनी घमासान तेज रहेगा। यह आसान फैसला नहीं होगा। तमिलनाडु में कमल हासन की पार्टी कांग्रेस के साथ गठबंधन में जुड़ सकती है, और डीएमके को साथ जोड़े रखना भी कांग्रेस के लिए जरूरी होगा। यूपी इकलौता राज्य है, जहां अगर एसपी-बीएसपी ने हाथ मिला लिया तो वे शायद ही कांग्रेस की परवाह करेंगे। राहुल-अखिलेश की व्यक्तिगत दोस्ती भी शायद यहां काम न करे क्योंकि इस दोस्ती का अच्छा-खासा नुकसान अखिलेश यूपी विधानसभा चुनाव में झेल चुके हैं। बीजेपी अब एनडीए को मजबूत करने पर पहले की तरह ध्यान देती नहीं दिख रही, जबकि उसके सत्ता में लौटने का मूल मंत्र एनडीए ही रहा है। चंद्रबाबू नायडू प्रधानमंत्री से जिस तरह दुर्व्यवहार की शिकायत कर रहे हैं, वह इसका संकेत है। यहां तक कि शिवसेना जैसी दक्षिणपंथी पार्टी भी बीजेपी के साथ सहज नहीं है। पटनायक भी असहज महसूस कर रहे हैं। ऐसा नहीं लगता कि बीजेपी 2019 के लिए विपक्षी दलों के बीच चल रही कोशिशों से अनजान हो या फिर इसकी अहमियत नहीं समझ रही हो। मध्य प्रदेश और राजस्थान में उपचुनाव गंवा चुकी बीजेपी के लिए भी यूपी के उपचुनाव बेहद अहम हैं। जीत के बावजूद उत्तर प्रदेश में उसका प्रदर्शन धमाकेदार नहीं रहा तो अपने सहयोगियों को साथ बनाए रखने के लिए उसे नई सोच के साथ सामने आना होगा। इसी नजरिए से मार्च के इस महीने पर देश की नजर है।

चलते चलते

हम सब एक साथ सांस लेते हैं, लेकिन स्पर्धा नहीं होती

हम अपने आसपास अराजकता, व्याकुलता और वि नाश देखते हैं; हम मानवीय मूल्य गंवाने और नैति क पतन की बातें सुनते हैं। नतीजतन भविष्य को लेकर चिंता है। ये स्थितियां नई नहीं हैं। शास्त्रों में ऐसे विवरण मिलते हैं। यदि संदर्भ जाने बिना कोई धरती पर देवर्षि नारद के जीवन का विवरण पढ़े तो उसे यकीन हो जाएगा कि यहतो मौजूदा दौर का वर्ण न है! सुकरात ने भी अपने वक्त के युवाओं की अनुशासनहीनता, और अवज्ञा की निंदा की थी। जब हम कहते हैं कि मानव मूल्यों का पतन हो रहा है तो हमें यह समझना होगा कि मानव मूल्य हैं क्या , उनका कैसे पतन हो रहा है और उन्हें बहाल करने के लिए हम क्या कर सकते हैं। विभिन्न स्तरों पर कई लोग इस स्थिति पर गौर कर रहे हैं। गहराई में हर व्यक्ति जानता है कि क्या

भविष्य को लेकर चिंता है। ये स्थितियां नई नहीं हैं। शास्त्रों में ऐसे विवरण मिलते हैं। यदि संदर्भ जाने बिना कोई धरती पर देवर्षि नारद के जीवन का विवरण पढ़े तो उसे यकीन हो जाएगा कि यहतो मौजूदा दौर का वर्ण न है! सुकरात ने भी अपने वक्त के युवाओं की अनुशासनहीनता, और अवज्ञा की निंदा की थी। जब हम कहते हैं कि मानव मूल्यों का पतन हो रहा है तो हमें यह समझना होगा कि मानव मूल्य हैं क्या

करना चाहिए पर जब करने की बात आती है तो पीछे हट जाता है। एक बार एक पत्रकार ने मुझसे पूछा कि क्या युवाओं की मौजूदा स्थिति किसी प्रकार की चेतावनी है और जब मैंने नकारात्मक उत्तर दिया तो वह चकित हुआ। मानव के पास खुद का विनाश करने की स्वतंत्र इच्छा शक्ति है; इसके उलट हुई क्षति के बाद फिर निर्माण करने की काबिलयत भी है। मानव प्रकृति की यही सुंदरता है। हताश होने की कोई जरूरत नहीं है; इससे कोई मदद नहीं मिलती। पतन का एक कारण तो यह है कि हमने मूल्यों की बजाय वस्तु ओं को अधिक महत्व दिया। दूसरा कारण यह कि जीवन में जो महत्वपूर्ण है, वे वस्तुएं नहीं हैं। हर व्यक्ति में जीवन को समृद्ध बनाने की अंतर्निहि त इच्छा होती है।

पहले हमें सुरक्षा चाहिए, फिर आराम। फिर अधि क आराम व सहूलियतें और अधिक सुख। जिन लोगों के पास भौतिक चीजें होती हैं, ऊंची प्रति व्यक्ति आय है और अधिक पैसा खर्च करने की योग्यता होती है उन्हे 'समृद्ध' कहा जाता है। समृद्धि के दो पहलू हैं- बाहरी और भीतरी। बाहरी जीवन को समृद्ध बनाने के लिए हमें काफी अधिक प्रयास और पैसा लगता है। लेकि न, जीवन की मूलभूत आवश्य कताएं तो नि:शुल्क हैं। हम सोने, चांदी और रत्नों के बिना रह सकते ह

फोटोग्राफी...

घने कोहरे से उभरती आस्था

तस्वीर यूनाइटेड अरब अमीरात, अबूधाबी की है। पिछले दिनों शेख ज़ाएद ग्रैंड मस्जिद को कोहरे की घनी चादर ने लगभग पूरा ही ढंक लिया था। तभी फोटोग्राफर शनोफ ने ये फोटो क्लिक कर लिया। वे इस दृश्य को अपने कैमरे में कैद करने के लिए पिछले एक साल से बेचैन हो रहे थे। उनके मुताबिक ये दृश्य किसी जादू से कम नहीं था।

राष्ट्रपति ट्रंप को बातचीत

कोरियाई प्रायद्वीप से आई यह खबर सच है तो भीषण परमाणु युद्ध में लपटों से दुनिया के बच जाने की उम्मीद जगी है। उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जान उन ने अमेरिका से मई में परमाणु निस्त्रीकरण के लिए राष्ट्रपति ट्रंप को बातचीत के लिए बुलाया है। उसने इस अवधि में परमाणु परीक्षण न करने की प्रतिबद्धता भी दोहराई है। यह निश्चित रूप से नये साल में सबसे बड़ी राहतकारी खबर है, जिसने दुनिया पर तीसरे युद्ध के मंडराते खतरों को दूर कर दिया है। यह करामात हुआ है दक्षिण कोरिया के प्रयासों से, जिसने सनकी तानाशाह को विध्वंस की निर्थकता समझाते हुए नियंतण्र मुख्यधारा में आने के लिएतैयार किया है। निश्चित रूप से इसमें चीन की भी भूमिका होगी, जो रूस के बाद अब उसका सर्वाधिक भरोसेमंद मित्र है और अमेरिका के कहे पर वह मध्यस्थ की भूमिका निभाता रहा है। लेकिन ताजा घटनाक्रम का श्रेय दक्षिण कोरिया के कौशलपूर्ण धीरज को जाता है। ट्रंप ने इस बातचीत को ओके कर दिया है और चीन ने इसका स्वागत किया है। निश्चित रूप से परमाणु युद्ध की विभीषिका के कगार पर खड़े कोरियाई प्रायद्वीप समेत पूरे विश्व के बचाव के लिए युद्ध नहीं, संवाद ही अंतिम उपाय है। हालांकि किम के उजागर सनकी चरित्र और राष्ट्रीय सुरक्षा की चिंताओं की आड़ में विध्वंसकारी नीतियों को देखते हुए परमाणु निरस्त्रीकरण की उसकी प्रतिबद्धता और वार्ता के फलाफल आने तक परमाणु परीक्षण से वैराग्य लेने के दावे के प्रति सहसा विास नहीं होता है। न तो अमेरिका को है और न विश्व को। इसलिए कि परमाणु सैन्य शक्ति सम्पन्न होने की लालसा जितनी आदिम है, वादे से उसके मुकरने का उतना ही लम्बा इतिहास है। 1994 के अक्टूबर में उसने परमाणु कार्यक्रम को स्थगित करने और इसके हथियारों से सेना को लैस करने के घोषित कार्यक्रम से बाज आने का वादा किया था। इसके चलते अमेरिका ने प्रतिबंध में ढील दे दी थी।

यह चोरी-छिपे चलता रहा था। इसके उजागर होने पर वह 1999 के सितम्बर में ऐसी घोषणा की थी। लेकिन उसका यह खेल जारी रहा। तभी 2002 में तात्कालीन राष्ट्रपति जार्ज बुश ने ईरान और इराक के साथ उत्तरी कोरिया को ''बुराई की धुरी' कहा था। इसके बाद तो उत्तर कोरिया ने अमेरिका के प्रस्तावित परमाणु कार्यक्रम के तहत आने से अस्वीकार कर दिया था और 2006 में पहला परमाणु परीक्षण कर दिया था।

अब तो वह अमेरिकी चेतावनियों को ठेंगा दिखाते हुए दनादन घातक बमों का परीक्षण कर डाला था, जिसकी मारक जद में सीधे वाशिंगटन तक आता है। अब जब किम ने बातचीत की मेज पर आना मान लिया है तो अमेरिका उन प्रक्रियाओं को अपनाने की बात कर रहा है। उसका जोर अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षकों की निगरानी में परमाणु संयंत्रों के निरीक्षण पर है। आम तौर पर ऐसा ही होता है। ईरान के साथ भी यही हुआ था। ऐसा हुआ तो उत्तर कोरिया को अपने सारे हथियारों का नाश करना होगा। वह ऐसा कर पाएगा, इसमें संदेह है। वह भी उस ताकत को गंवाने के लिए जिसे वह देश के आम नागरिकों की सुख-सुविधा की कीमत पर अर्जित करता रहा है। अगर नियंतण्र मानकों का अनुपालन करेगा तो इसकी तगड़ी कीमत भी वसूलेगा। यह तो बाद में पता चलेगा कि वह कीमत क्या है? वहीं यह बात भी सही है कि उसकी अपनी जनता विद्रोही होने की तरफ बढ़ रही थी। इसके लिए भी वार्ता के लिए तैयार हुआ होगा।

श्रीलंका से बदला और फाइनल में जगह के लिये उतरेगा भारत

कोलंबो (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट टीम सोमवार को आर प्रेमदासा स्टेडियम में निदहास ट्राफी के अपने तीसरे मुकाबले के लिये उतरेगा जहां वह मेजबान श्रीलंकाई टीम से ओपनिग मैच में मिली शिकस्त का बदला चुकता करने के साथ फाइनल में जगह पक्की करने के लिये उतरेगा। मौजूदा निदहास ट्वंटी 20 त्रिकोणीय ट्राफी में श्रीलंका, भारत और बंगलादेश की टीमों ने एक एक जीत दर्ज की है और सभी टीम बराबरी पर है।

भारत को उसके पहले मैच में श्रीलंका से पांच विकेट से हार झेलनी पड़ी थी लेकिन दूसरे मैच में उसने बंगलादेश को छह विकेट से हराकर खुद को मुकाबले में बनाये रखा है। वहीं श्रीलंका को पिछले मैच में बंगलादेश के हाथों पांच विकेट से चौंकाने वाली हार झेलनी पड़ी थी जिससे वह फाइनल में स्थान पक्का करने से चूक गया। सोमवार को होने वाले मैच में अब दोनों ही टीमों के पास फाइनल में जगह पक्की करने का बराबरी का मौका है।

हालांकि रोहित शर्मा की कप्तानी वाली युवा टीम इस मैच में निश्चित ही पिछली गलतियों से सबक लेते हुये पटरी पर लौटने और पिछली हार का बदला चुकता करने के लिये उतरेगी। श्रीलंका ने ओपनिग मैच में भारतीय टीम से मिले 175 रन के बड़े लक्ष्य को नौ गेंद शेष रहते हासिल कर लिया था। इस मैच में शिखर धवन 90 रन की पारी की बदौलत शीर्ष स्कोरर रहे थे और बल्लेबाजों ने चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया लेकिन गेंदबाज बड़े स्कोर का भी बचाव नहीं कर सके थे। मध्यम तेज गेंदबाज शार्दुल ठाकुर 3.3 ओवर में 42 रन लुटाकर सबसे महंगे साबित हुये थे।

सेरेना इंडियनवेल्स डब्ल्यूटीए टूर के तीसरे दौर में वीनस से भिड़ेंगी

इंडियन वेल्स। सेरेना विलियम्स ने डब्ल्यूटीए टूर पर वापसी करते हुए किकी बर्टन्स पर सीधे सेटों में जीत से इंडियन वेल्स टूर्नामेंट के तीसरे दौर में जगह बनायी, जहां उनका सामना अपनी बहन वीनस से होगा। वीनस और सेरेना अपने शानदार करियर में एक दूसरे से 28 बार भिड़ चुकी हैं। सेरेना ने 2017 आस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में वीनस को 6-4, 6-4 को हराकर खिताब जीता था, इसके बाद वह मां बनने के बाद पहली बार डब्ल्यूटीए टूर में वापसी कर रही हैं।

सेरेना ने पिछले साल मेलबर्न में 23वां ग्रैंडस्लैम खिताब जीता था। वीनस ने सोराना सर्स्टी को महज 79 मिनट में 6-3, 6-4 से शिकस्त दी जबकि सेरेना ने नीदरलैंड की बर्टन्स को 7-6, 7-5 से मात दी। चौथी वरीय एलीना स्वितोलिना ने जर्मनी की मोना बार्थेल को 6-4, 6-3 से हराकर तीसरे दौर में प्रवेश किया जहां उनका सामना कार्ला सुआरेज नावारो से होगा जिन्होंने ताईवान की सिए सु वेई को 6-4, 2-6, 6-3 से पराजित किया।

बिंद्रा ने मेक्सिको विश्व कप में भारत के प्रदर्शन की तारीफ की

नयी दिल्ली। ओलंपिक स्वर्ण पदकधारी अभिनव बिंद्रा ने मेक्सिको के गुआदालाजारा में चल रहे आईएसएसएफ विश्प कप में भारतीय निशानेबाजों के शानदार प्रदर्शन की तारीफ करते हुए कि इस खेल का भविष्य उज्जवल है। भारत का पहली बार आईएसएसएफ विश्व कप में पदक तालिका में शीर्ष पर रहना सुनिश्चित है। देश ने अभी तक चार स्वर्ण, एक रजत और चार कांस्य पदक अपने नाम किये हैं।

बिंद्रा ने कहा कि निशानेबाजी सुरक्षित हाथों में हैं और मौजूदा निशानेबाजों में भविष्य का ओलंपिक चैम्पियन बनने की कूव्वत है। बिंद्रा ने ट्वीट किया, ''भारतीय निशानेबाजी टीम का मेक्सिको में प्रदर्शन भारतीय निशानेबाजी में एक नये युग की शुरूआत है। भविष्य सुरक्षित हाथों में हें और मुझे पूरा भरोसा है कि इन युवा निशानेबाजों में ओलंपिक पोडियम स्थान में शीर्ष पर पहुंचने का माद्दा है। सभी को बधाई।'' बीजिंग ओलंपिक में 10 मीटर एयर राइफल के स्वर्ण पदकधारी बिंद्रा ने निशानेबाजी दल के कोचों और सहयोगी स्टाफ की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, ''जूनियर टीम के कोचों और सहयोगी स्टाफ का विशेष जिक्र करना होगा जिन्होंने सुर्खियों से दूर रहते हुए कड़ी मेहनत की।''

राज्य स्तरीय जूनियर बालक हाकी प्रतियोगिता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में आयोजित राज्य स्तरीय जूनियर बालक हॉकी प्रतियोगिता में स्पोर्टस कालेज लखनऊ एवं लखनऊ मण्डल के बीच फाईनल टक्कर होगी। क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी जितेन्द्र यादव ने यहां बताया कि प्रतियोगिता में आज हुए सेमीफाइनल मैचों में स्पोर्टस कालेज लखनऊ ने सैफई हास्टल को 3-0 तथा लखनऊ मण्डल ने स्पोर्टस हास्टल लखनऊ को 4-0 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। उन्होंने बताया कि खेल विभाग एवं हाकी उत्तर प्रदेश के समन्वय से आयोजित इस हाकी प्रतियोगिता में स्पोर्टस कालेज लखनऊ समेत 17 मण्डल तथा चार छात्रावास की टीमों ने भाग लिया।

एआईटीए ने बोपन्ना की आपत्ति ढुकरायी, उनकी पेस के साथ जोड़ी बनायी

नयी दिल्ली। एआईटीए ने चयन मामलों से खिलाड़ियों को दूर रखने का कड़ा संदेश देते हुए रोहन बोपन्ना की आपत्ति के बावजूद आज लिएंडर पेस को डेविस कप टीम में शामिल किया। पांच सदस्यीय चयन समिति ने युकी भांबरी, रामकुमार रामनाथन, सुमित नागल, बोपन्ना और पेस के अलावा टीम में रिजर्व सदस्य के रूप में दिविज शरण कोटीम में शामिल किया। पूरव राजा को टीम से बाहर कर दिया गया जिसकी उम्मीद थी क्योंकि कनाडा के खिलाफ विश्व ग्रुप प्ले आफ मुकाबले में उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं था। एआईटीए में सूत्रों के अनुसार गैर खिलाड़ी कप्तान महेश भूपति ने चयन समिति के चेयरमैन को लिखा था कि सीनियर पेशेवर खिलाड़ी बोपन्ना चीन के खिलाफ मुकाबले के लिये' टीम से बाहर' रहना चाहते हैं, ताकि पेस को अपना डेविस कप विश्व रिकार्ड पूरा करने का मौका मिल जाये। वह इस तरह से संदेश देना चाह रहे थे कि वह इस मुकाबले के लिये पेस के साथ जोड़ी बनाने के इच्छुक नहीं थे।चयनकर्ताओं ने हालांकि बोपनना और पेस दोनों को टीम में शामिल किया है, जिससे अब बोपन्ना को फैसला करना होगा कि वह तेनजिन में छह- सात अप्रैल को होने वाले मुकाबले में खेलना चाहते हैं या नहीं।एआईटीए अधिकारी ने कहा, ''कल कार्यकारिणी की बैठक में इस मामले पर चर्चा हुई थी और कप्तान के अनुसार रोहन अब भी आहत हैं और उनके(बोपन्ना और पेस) बीच में कोर्ट पर कोई तालमेल नहीं है। कप्तान को यह भी लगता है कि सिर्फ लिएंडर ही बोपन्ना को उनके साथ खेलने के लिये मना सकते हैं और इसके लिये उन्हें बोपन्ना से बात करनी चाहिए।'' एआईटीए अधिकारी ने कहा कि बोपन्ना का फैसला काफी अहम होगा। अधिकारी ने कहा कि बोपन्ना को अब भी सरकारी अनुदान मिलता है और उन्हें इस बात को भी ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने कहा, ''देखिये, उसे(बोपन्ना) को सरकारी अनुदान मिलता है। अगर वह व्यक्तिगत मतभेदों को नहीं भुलाते और देश के लिये खेलने से इनकार करते हैं तो एआईटीए ऐसे खिलाड़ियों का समर्थन नहीं करेगा। उन्हें भारत के लिये साल में दो या तीन बार ही खेलना पड़ता है। क्या वे दो हफ्ते के लिये बिना किसी एजेंडे के नहीं खेल सकते।''

अमिताभ बच्चन ने मांगी माफी, महिला टीम इंडिया को बधाई देने में की थी बड़ी चूक

नई दिल्ली (एजेंसी)।

बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम को बधाई दी, लेकिन यह बधाई देते हुए उनसे एक बड़ी चूक हो गई. दरअसल, बिग बी ने रविवार (11 मार्च 2018) को महिला टीम इंडिया की एक फोटो को अपनी फोटो के साथ ट्वीट करते हुए उसे जीत की बधाई दी. उन्होंने अफ्रीका के खिलाफ मिली जीत को ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध मिली जीत बताते हुए महिला टीम को जीत की बधाई दे दी. उन्होंने जो फोटो पोस्ट की, ये फोटो महिला टीम इंडिया को अफ्रीका में मिली जीत के बाद की थी, न कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मिली जीत की. इसके बाद लोगों ने उन्हें उनकी गलती का अहसास कराया. गलती का अहसास होने पर अमिताभ बच्चन ने माफी भी मांग ली है.

बता दें कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ महिला टीम इंडिया की सीरीज सोमवार 12 मार्च से शुरू होगी. सभी मैच बड़ौदरा में खेले जाएंगे. दूसरा मैच 15 मार्च को और तीसरा मैच 18 मार्च को होगा. अमिताभ बच्चन ने अपने पुराने ट्वीट को रिट्वीट करते हुए लिखा है- माफी... पोस्ट में ऑस्ट्रेलिया की जगह दक्षिण अफ्रीका पढ़ा जाए.

बता दें कि अमिताभ बच्चन ने ट्वीट करते हुए लिखा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इस ऐतिहासिक जीत के लिए बधाई महिला टीम इंडिया. भारतीय टीम ने बल्लेबाजी, फील्डिंग में कमाल का प्रदर्शन दिखाया. खासकर जेमिमा रोड्रिग्ज का बाउंड्री पर कमाल का कैच लिया. आप पर हमें गर्व है. अमिताभ बच्चन के ट्वीट पर पहले तो लोगों ने भी बधाई देनी शुरू कर दी. लेकिन इसके बाद कुछ लोगों ने उन्हें उनकी गलती की ओर ध्यान दिलाया. लोगों ने कहा ये फोटो ऑस्ट्रेलिया नहीं अफ्रीका सीरीज के समय की है. गौरतलब है कि अभी हाल में महिला टीम इंडिया ने दक्षिण अफ्रीका को उसी के घर में वनडे और टी20 सीरीज में हराया था. दोनों सीरीज में मिताली राज, स्मृति मंधाना का प्रदर्शन शानदार रहा था. इसी सीरीज में टीम इंडिया की तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी 200 विकेट लेने वाली दुनिया की पहली महिला खिलाड़ी बनीं थीं. ऑस्ट्रेलिया के साथ भारतीय महिला टीम के वनडे मैचों की शुरुआत 12 मार्च से बड़ोदरा में होगी. ये सीरीज 3 मैचों की होगी.

रहीम की आतिशी पारी, बांग्लादेश ने श्रीलंका को पांच विकेट से हराया

कोलंबो। विकेटकीपर बल्लेबाज मुशफिकर रहीम (नाबाद 72) की शानदार पारी की बदौलत बांग्लादेश ने यहां श्रीलंका को निदास ट्राफी टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट के मैच में पांच विकेट से हरा दिया। बांग्लादेश ने 215 रन के पहाड़ जैसे लक्ष्य का पीछा करते हुए दो गेंद शेष रहते पांच विकेट खोकर जीत दर्ज की। रहीम के अलावा सलामी बल्लेबाजों तमीम इकबाल ने47 और लिटोन दास ने43 रन का महत्वपूर्ण योगदान दिया। मैन आफ द मैच रहे रहीम ने 35 गेंदों की अपनी पारी में चार छक्के और और पांच चौके लगाए। इससे पहले कुशाल मेंडिस और कुशाल परेरा के अर्धशतकों की मदद से श्रीलंका ने बांग्लादेश के खिलाफ छह विकेट पर 214 रन बनाये।

प्रेमदासा स्टेडियम पर घरेलू दर्शकों के सामने मेंडिस ने 57 और परेरा ने 74 रन की आक्रामक पारी खेली। बूंदाबांदी के कारण टास15 मिनट विलंब से हुआ। श्रीलंका ने धमाकेदार शुरूआत की और मेंडिस ने धनुष्का गुणतिलका (26) के साथ पहले विकेट के लिये 56 रन जोड़े। बांग्लादेशी गेंदबाजों ने शार्ट गेंदें फेंकी और इसका पूरा फायदा श्रीलंकाई बल्लेबाजों ने उठाया। पावरप्ले के छह ओवरों में 70 रन बने।

मेंडिस ने 30 गेंद में पांच छक्कों और दो चौकों के साथ 57 रन बनाये जबकि परेरा ने आठ चौकों और दो छक्कों की मदद से 48 गेंद में 74 रन जोड़े। मुस्ताफिजूर रहमान ने गुणतिलका को आउट किया जिस समय स्कोर दस ओवर में एक विकेट पर 98 रन था। कुशाल परेरा ने मेहदी हसन को छक्का और चौका लगाकर 11 वें ओवर में श्रीलंका को एक विकेट पर 111 रन तक पहुंचाया। मेंडिस ने मुस्ताफिजूर का स्वागत एक छक्के से करके अपना अर्धशतक26 गेंद में पूरा किया। दासुन शनाका और दिनेश चांदीमल जल्दी आउट हो गए लेकिन उपुल थरंगा ने 17 वें ओवर में दो चौके और एक छक्का लगाकर 17 रन लिये। वह 15 गेंद में 32 रन बनाकर नाबाद रहे। बांग्लादेश के लिये मुस्ताफिजूर ने तीन और महमूदुल्लाह ने दो विकेट लिये।

अपने कौशल के दम पर लंबे समय तक टीम में रहना चाहते हैं उनादकट

कोलंबो (एजेंसी)।

युवा तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट ने कहा कि टी20 प्रारूप में विविधता एक गेंदबाज की सबसे बड़ी पूंजी होती है और वह भारतीय टीम में लंबे समय तक बने रहने के लिये अपने इस कौशल पर निर्भर हैं। उनादकट ने आईपीएल समेत घरेलू सर्किट पर लगातार अच्छे प्रदर्शन के बूते भारत की टी20 टीम में जगह बनायी। दिसंबर में श्रीलंका के खिलाफ सीरीज में वापसी के बाद से वह अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। उनादकट ने निधास ट्राफी में श्रीलंका के खिलाफ भारत के मैच की पूर्व संध्या पर कहा, ''इस प्रारूप में एक गेंदबाज के लिये वैरिएशन काफी अहम होती है। आप बल्लेबाजों के दिमाग से खेलने की बात करते हो और आप ऐसा सिर्फ वैरिएशन के बूते ही कर सकते हो।''

उन्होंने कहा, ''इस टूर्नामेंट में पावरप्ले में बल्लेबाज हमारे खिलाफ कैसे खेल रहे हें। यह हम पर निर्भर करता है कि हम इससे कैसे निपटते हैं और उन्हें हिट नहीं करने देते।'' सीनियर गेंदबाजों की अनुपस्थिति में उनादकट ने आफ स्पिनर वाशिंगटन सुंदर के साथ यहां पहले दो मैचों में गेंदबाजी की शुरूआत की। उनादकट ने वाशिंगटन की तारीफ की जिन्होंने शुरूआती ओवरों में शानदार काम किया।उनादकट ने कहा, ''मुझे लगता है कि वह सचमुच अच्छी गेंदबाजी कर रहा है। हमने आईपीएल में पुणे के लिये एक साथ गेंदबाजी की थी। हमारे लिये यह चीज फायदेमंद है कि वह किस तरह आफ स्पिनर होने के नाते बल्लेबाजों को रन जुटाने से रोकता है, जो बहुत ही मुश्किल काम है। वह अपनी रफ्तार को बेहतर को तरीके से कम ज्यादा करता है और इसे सरल लगता है।''

भारतीय गेंदबाजों ने बांग्लादेश के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन किया जबकि श्रीलंका के खिलाफ शुरूआती मैच में कुसाल परेरा ने उन्हें धो दिया था। उनादकट ने कहा कि जैसे जैसे टूर्नामेंट आगे बढ़ेगा गेंदबाज बेहतर ही होंगे। उन्होंने कहा, '' आप टी20 में24 बार(अधिकतम24 गेंदों में) दबाव में होते हो। हमने बांग्लादेश के खिलाफ अपनी योजना का अच्छी तरह कार्यान्वयन किया और यह आगामी मैचों में बेहतर ही होगा।''

श्रीलंका के खिलाफ भिड़ंत से पहले रोहित की फार्म होगी भारत की चिंता

कोलंबो (एजेंसी)।

कप्तान रोहित शर्मा निधास त्रिकोणीय टी20 सीरीज में अपने तीसरे मैच में मेजबान श्रीलंका के खिलाफ फार्म में वापसी को बेताब होंगे जिसमें भारतीय टीम हर हालत में जीत दर्ज करना चाहेगी। कार्यवाहक कप्तान रोहित की खराब फार्म दक्षिण अफ्रीका सीरीज के शुरू से चल रही है। वह आत्मविश्वास हासिल करने के लिये तेजी से रन जुटाना चाहेंगे। टूर्नामेंट में रिषभ पंत को एक और मैच दिये जाने पर भी विचार किया जा सकता है। पंत को हालांकि अपनी काबिलियत साबित करनी है लेकिन लोकेश राहुल जैसा खिलाड़ी भी मौके का इंतजार कर रहा है।

राहुल की मौजूदगी कप्तान को उन्हें सलामी बल्लेबाज के तौर पर इस्तेमाल करने का मौका दे सकती है जिससे वह पंत को अंतिम एकादश से बाहर कर खुद चौथे स्थान पर बल्लेबाजी कर सकते हैं। भारत की दूसरे दर्जे की टीम के लिये इस टूर्नामेंट में शुरूआत अच्छी नहीं रही क्योंकि उन्हें शुरूआती मैच में मेजबानों से पांच विकेट की पराजय झेलनी पड़ी थी। लेकिन रोहित की अगुवाई वाली टीम ने अगले मैच में शानदार वापसी करते हुए बांग्लादेश को छह विकेट से मात दी। इसलिये मैच भारत को शुरूआती मैच में की गयी गलतियों को सुधार करने का मौका प्रदान करेगा।

टूर्नामेंट में अभी सभी तीनों टीमों के पास बराबरी का मौका है क्योंकि सभी ने दो मैचों में से एक एक मैच जीते हैं। लेकिन श्रीलंकाई टीम नेट रन रेट में भारत और बांग्लादेश से आगे शीर्ष पर है। लेकिन जीत भारत को श्रीलंका को हटाकर शीर्ष पर पहुंचा देंगी। सलामी बल्लेबाज शिखर धवन शानदार फार्म में हैं, उन्होंने अभी तक टूर्नामेंट में लगातार दो अर्धशतक जड़े हैं। श्रीलंका के खिलाफ सलामी बल्लेबाज ने 49 गेंद में 90 रन बनाये और इसके बाद 43 गेंद में 55 रन की पारी से भारत ने दूसरे मैच में बांग्लादेश को आसानी से शिकस्त दी।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में धवन का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा लेकिन प्रोटियाज के खिलाफ सीमित ओवर के शुरू में उन्होंने फार्म हासिल कर ली, जिसके बाद से उन्होंने अंतिम पांच टी20 में 55, 90, 47, 24 और 72 रन बनाये। लेकिन रोहित की फार्म चिंता का विषय बनी हुई है जिन्होंने अंतिम पांच टी20 मैचों में 17, शून्य, 11, शून्य और 21 रन बनाये हैं। अन्य भारतीयों में मनीष पांडे (37, 27) अच्छी लय में दिख रहे हैं, वह वापसी करने वाले सुरेश रैना और दिनेश कार्तिक के साथ मध्यक्रम की जिम्मेदारी संभालेंगे।

गेंदबाजी में जयदेव उनादकट को लगातार प्रदर्शन करने की जरूरत है। इस गेंदबाज ने दो मैचों में अभी तक चार विकेट चटकाये हैं लेकिन काफी रन भी लुटाये जिसकी अगुवाई करने वाले गेंदबाज से उम्मीद नहीं की जाती। युवा और गैर अनुभवी भारतीय गेंदबाजों ने अभी तक अच्छी गेंदबाजी की, जिसमें वाशिंगटन सुंदर, युजवेंद्र चहल और विजय शंकर उम्मीदों पर खरा उतर रहे हैं। वहीं श्रीलंकाई टीम बीती रात बांग्लादेश से मिली पांच विकेट से उबर रही है।

बांग्लादेश ने बीत रात मुश्फिकर रहीम की 35 गेंद में 72 रन की पारी से 215 रन के लक्ष्य को पांच विकेट गंवाकर 19.4 ओवर में हासिल कर लिया। बांग्लादेश के बल्लेबाजों ने श्रीलंका गेंदबाजों के खिलाफ शानदार खेल दिखाया जिससे मेजबान टीम कल सुधार

करने की उम्मीद करेगी। वहीं बल्लेबाजी में कुसाल मेंडिस और कुसाल परेरा शानदार फार्म में हैं जिससे भारतीय गेंदबाजों को सतर्क रहना होगा विशेषकर परेरा के खिलाफ जिन्होंने अभी तक दो मैचों में 66 और 74 रन बनाये हैं जबकि मेंडिस ने 57 रन जुटाये।

विश्व स्तर पर उमिया धाम के निर्माण की कवायद

विउ फाउंडेशन के बैनर तले वरिष्ठों का संगम समारोह

समाज के श्रेष्ठ दानदाताओं का किया गया सम्मान

सूरत। विश्व के कडवा पाटीदारों को एक सूत्र में पिरोने के आशय जैसे भगीरथ कार्य को साकार करने के लिए विश्व उमिया फाउंडेशन द्वारा समाज के वरिष्ठों का संगम समारोह सूरत के उमिया धाम, विश्वास भवन में आयोजित किया गया। इस प्रसंग दौरान ऊर्जामंत्री सौरभभाई पटेल, विधायक विवेक पटेल, पूर्वमंत्री नरोत्तमभाई पटेल, जिला कलेक्टर महेन्द्र भाई पटेल के सा थ बड़ी संख्या में सामाजिक अग्रणी उपस्थित थे। विश्व उमिया फाउंडेशन के बैनर तले अहमदाबाद में 100 वीघे जमीन पर 1 हजार करोड़ के खर्च से विशव स्तर पर निर्माणाधीन उमिया माता के देदिप्यमान भव्यातिभव्य मंदिर को साकार करने के लिए कड़वा पाटीदार समाज के तमाम समाजश्रेष्ठियों, ट्रष्टियों और अग्रणियों नें संकल्प लिया। इस प्रोजेक्ट को साकार करने के लिए करोंड़ों का दान दाताओं को सम्मानित किया गया। इस मंदिर के साथ स्वास्थ्य उपचार युनिट, हेल्थ, स्पोर्ट्स और कल्चर संकुल,स्किल-करियर डेवलपमेंट, रोजगार भवन, कन्या-कुमार, वर्किंग वुमन हॉस्टल, सुविधायुक्त एन.आर.आई भवन, सिनीयर सिटी जन, सामाजिक एवं विश्व स्तरीय संगठन जैसे अनेक भवनों का भी निर्माण किया जाएगा। इस अवसर पर ऊर्जा मंत्री ने कहा कि इस भवन के मिाण से आगामी पीढ़ी के विकास के लिए रास्ते कुल जाएंगे।

26वीं जीएसटी कौंसिल बैठक में व्यापारियों को आंशिक राहत

72घंटे मान्य होगा ई-वे-बिल, 50 हजार के माल पर नहीं लगेगा ई-वे-बिल

सूरत। जीएसटी कौंसिल की 26 वीं बैठक में कपड़ा व्यापारियों को आंशिक राहत मिली। जीएसटी कौंसिल की बैठक के पूर्व कपड़ा व्यापारियों को जीएसटी से काफी राहत मिलने का भरोसा था लेकिन बीते दिन उनके इस मंसूबे पर पानी फिर गया। 15 अप्रैल से लागू होने वाले जीएसटी में 50 हजार रूपये तक के माल पर ई-वे-बिल नहीं लगेगा। जबकि 50 हजार से अधिक के माल पर जीएसटी अनिवार्य है। ई-वे-बिल की वैधता 72 घंटे की दी गई है। 50 किमी तक बिना बिना वाहन का नंबर दिए माल ले जाया सकेगा। इससे पहले इसका दायरा मात्र 10 किमी का था। इस आंशिक राहत से कपड़ा व्यापारियों को राहत मिलेगी।

इनका कहना है

जीएसटी कौंसिल की 26 वीं बैठक में जीएसटी के नियमों में हुए बदलाव से कपड़ा व्यापारियों को गोदाम से दुकान तक माल ले जाने में सहुलियत होगी। क्योकि 5ख0ख किमी के दायरे तक माल ले जाने पर किसी टांसपोर्ट वाहन का जिक्र नहीं करना पड़ेगा। **मनोज अग्रवाल, फोस्टा अध्यक्ष,**

कपड़ा मार्केट के पार्किंग से अवैध निर्माण हटाने की मांग

टेक्सटाइल मजदूर यूनियन मनपा आयुक्त को सौंपेगा पत्रक

सूरत। टेक्सटाइल मजदूर यूनियन की एक बैठक गत रोज सम्पन्न हुई। बैठक में यूनियन के नेताओं ने कपड़ा मार्केट के मोटी बेगमवाडी रोड स्थित कॉमर्शियल निर्माणों व टेक्सटाइल मार्केटों में पार्किंग की जगह में बने अवैध निर्माण हटा कर पार्किंग की जगह खाली करने की मांग को लेकर मनपा आयुक्त को पत्रक देने का निर्णय लिया। टेक्सटाइल मजदूर यूनियन के नेताओं की बैठक शुक्रवार देर शाम संपन्न हुई। बैठक में रिंगरोड से मोटी बेगमवाडी तक कॉमर्शियल निर्माणों जिसमें कपड़ा मार्केट कार्यरत है। आए दिन कपड़ा मार्केट प्रतिनिधियों की ओर से यातायात संबंधी समस्या को लेकर टेम्पों चालक मजदूर को जिम्मेदार ठहरा कर शिकायत की जाती है। जिसके परिणाम स्वरूप टेम्पो चालक पुलिस कार्रवाई का शिकार बनते है। जबकि इन निर्माणों में सरकारी नियमानुसार पार्किंग नहीं बनाए गए है। नियमों की अनदेखी कर इन पार्कि ग की जगह में अवैध निर्माण कर लिया गया है। मार्केट में पार्किंग व्यवस्था नहीं होने पर टेम्पों चालक मजबूरी में सड़क पर अपने वाहन को खड़ा कर लोडिंग व अनलोडिंग करना पड़ता है। जिसके कारण यातायात समस्या उत्पन्न होती है। टेक्सटाइल मजदूर यूनियन नेताओं ने मार्केटों के पार्किंग में बने अवैध निर्माण हटाकर पार्किंग की जगह को खाली कराने के लिए मनपा आयुक्त को पत्रक देने का निर्णय बैठक में लिया।

16 महिलाओं को कल मिलेगा पिंक ऑटो रिक्शा

सूरत। चुनौती भरे काम को थाम कर महिलाओं ने यह साबित कर दिया कि यदि अवसर मिले तो वे उस हर काम को सही अंजाम दे सकती है। जिस पर पुरूषों का एकाधिकार माना जाता है। आगामी बुधवार को मनपा ने शहर की 16 महिलाओं को पिंक आम्टो रिक्शा देने का मन बनाया है। गत वर्ष 16 महिलाओं को लिम्बायत इलाके में आयोजित महिला सशक्तिकरण योजना के तहत पिंक ऑटो रिक्शा दिया गया था। 13 मार्च्व से अब शहर की सड़कों पर कुल 32 पिंक ऑटो रिक्शा दौड़ने लगेंगे। महिलाओं को यूडीसी विभाग की ओर से ऑटो रिक्शा चलाने का प्रशिक्षण दिया जाता है। लर्निंग परीक्षा पास करने वाली महिलाओं को पिंक ऑटो रिक्शा की चाबी थमा दी जाती है। ऑटो रिक्शा पर बैंकिंग लोन होने के चलते सब्सिडी मिलती है।

सूरत। पोलियो रसीकरण अभियान एवं सघन मिशन इंद्रधनुष के तहत शहर में जगह-जगह पोलियो बूथ पर पांच साल के बच्चो को रसी पिलाती हेल्थ वर्कर।

डिंडोली ओवर ब्रिज पर बाइक फिसलने से गिरे युवक की मौत

सूरत। नवागांव डिंडोली स्थित देलाडवा गांव सन राईज काम्प्लेक्स में रहने वाले एक युवक की बाइक डिंडोली ओवर ब्रिज पर जाते समय फिसल गई। जिससे गंभीर चोट लगने से उसकी स्थल पर ही मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार डिंडोली के देलाडवा गांव सन राइज काम्प्लेक्स फ्लेट नं. बी-2/507 में रहने वाले नटवर नाथाभाई सोलंकी अपने परिवार के साथ रहते हैं। नटवरभाई के बेटे राहुल कुमार (22 वर्ष) गत रोज अपनी बाइक लेकर डिंडोली ओवर ब्रिज से जा रहे थे।

100 और 50 की नकली नोट के साथ दो गिरफ्तार

सूरत। सरथाणा के सब्जी मार्केट के पास द लास्ट टूर एन्ड ट्रॉवेल्स की ऑफिस के सामने से 100 रुपए की 42 और 50 रुपए की 22 नकली नोट के साथ पुलिस ने दो युवकों को गिरफ्तार किया है। सरथाणा पुलिस सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार सरथाणा के वीटी नगर सर्कल सब्जी मार्केट के पास स्थित द लास्ट टूर एन्ड ट्रॉवेल्स की ऑफिस के सामने से गत रात्रि 11.30 बजे के करीब पुलिस ने दो युवक मुकेश उर्फ दिनेश लालूभाई काजावदरा (प्लॉट नं. 433 हरिदर्शन सोसाइटी मयंक रेजीडेंसी के सामने सिंगरणपोर चौकबाजार सूरत, मूल-भाबण, जिला बोटाद) और जयेश दास उर्फ जयलों किशोरभाई गोडलिया (मगननगर, माधव अपार्टमेंट, बाबा सीताराम चौक के पास कतारगांव मूल-सापरी, सावरकुं डला, अमरेली) को गिरफ्तार कर उनके पास से नकली नोट बरामद की है। पुलिस ने आरोपियों के पास 100 रुपए की 42 नकली नोट और 50 रुपए की 22 नकली नोट सहित कुल 5,300 रुपए की भारतीय चलन की बनावटी करेंसी कब्जे में लेकर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की है।

उधना से छपरा के लिए नई होलीडे स्पेशल ट्रेन चलेगी

सूरत। उधना से छपरा के बीच नई दो होलीडे स्पेशल ट्रेन चलाए जाने का निर्णय लिया गया है। नवसारी के सांसद सीआर पाटिल ने इस संदर्भ में तत्कालीन रेलवे मंत्री पियुष गोयल से मांग की थी। उनकी इस मांग को ग्राह्य रखते हुए रेलवे विभाग ने शनिवार को उधना से छपरा के लिए ट्रेन नं. 82911/82912 और 09019/ 09020 दो नई स्पेशल होलीडे ट्रेन प्रदान की गई है। इस ट्रेन का लाभ नंदूरबार, अमलनेर, जलगांव, भुसावल, खंडवा, हरदा, इटारसी, पिपरिया, जबलपुर, कटनी, सतना, मानिकपुर, छिवकी, वाराणसी, बलिया, छपरा स्टेशनों को मिलेगा। शहर के हजारों यात्रियों को यूपी और बिहार अपने वतन जाने में काफी आसानी होगी।

सूरत। होली के बाद दशा माता की वार्ता की शुरुआत हो जाती है। आज सोमवार को प्रात: दशा माता की पूजा -अर्चना करने का अंतिम दिन है।आज के दिन महिलाए उपवास ,व्रत आदि का अनुष्ठान कर माँ दशा को प्रसन्न करके आशीर्वाद ग्रहण करेगी। टीकमनगर शृंगार पेलेस एवं शत्रुंजय अपार्टमेंट में दशा माता की वार्ता सुनती महिलाए ।

तीसरी मंजिल से गिरे युवक की मौत

सूरत। कापोद्रा के एलएच रोड श्रीजी नगर में रहने वाले युवक की तीसरी मंजिल से गिरने से बेहोशी की हालत में स्मीमेर अस्पताल में ले जाया गया। जहां पर जांच करने के बाद चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार कापोद्रा के एलएच रोड, श्रीजी नगर मकान नं. 10 में रहने वाले झीणाभाई होथीजी प्रजापति (37 वर्ष) गत रोज दोपहर के समय कतारगांव फूलपाडा बीआरटीएस स्टैंड के सामने विनायकभाई के कम्पाउंड में काम करते समय अचानक तीसरी मंजिल से नीचे गिर गए। जिनको इलाज के तत्काल स्मीमेर अस्पताल में ले जाया गया। जहां पर चिकित्सकों ने जांच करने के बाद झीणाभाई को मृत घोषित कर दिया। कतारगांव पुलिस आकस्मिक दुर्घटना में हुई मौत का मामला दर्ज करके जांच कर रही है।

बिटकॉन के नाम से व्यापारी का अपहरण करने वाला पुलिसकर्मी गिरफ्तार

सूरत। कुछ दिन पहले ही बिटकॉन के नाम से चना के व्यापारी का अपहरण किया गया। अपहरण करने के इस केस में संलिप्त सस्पेन्डेट पुलिसकर्मी की रविवार को उमरा पुलिस ने गिरफ्तारी करके जांच शुरू की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार उमरा क्षेत्र में कुछ दिन पहले चना के व्यापारी का अपहरण हुआ था। बताया जाता है कि बिटकॉन के नाम से तीन व्यक्तियों ने व्यापारी का दिन दहाड़े अपहरण कर लिए थे। बाद में बिटकॉन न मिलने से उस व्यापारी को सही सलामत छोड़ दिया गया था। जबकि इस केस में पुलिसकर्मी अनीश उर्फ मांजरो भी लिप्त था। जिसे सस्पेन्ड कर दिया गया था। इसके बाद रविवार को उमरा पुलिस सस्पेन्डेट पुलिसकर्मी को गिरफ्तार करके आगे की जांच कर रही है।

सूरत। सचिन जी.आई.डी.सी बर्फ फैक्ट्री में रविवार सुबह जाते वक्त कमलेश पुत्र लोचन सेठ काम पर जा रहा था। उसी वक्त ट्रनिंग प्वाइंट आने पर वह अपनी बाईक को संभाल नहीं पाया और पीछे से स्पीड से आ रहे एक टैंकर वाले ने उसे रोंद दिया, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

सूरत। पलसाना में वीर देव फैक्ट्री में भीषण आग से फैक्ट्री पुरी तरह से जल कर खाक हो गई। समाचार लिखे जाने तक जान माल का कितना नुकसान हुआ इसका कोई अंदाजा नहीं लगा पाया था। अग्निशमन दल घटना स्थल पर पहुंच कर आग पर काबू पाने की कोशिस कर रहा था।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **Tc.No. : GUJHIN00722**, E-mail: krantisamay@gmail.com